पाठ ४७

1. यिशु कउन शहरमे जनमल ?
    - बेथलेहममे ।
2. जेकराके ओकुनीसब यहुदिसबके राजा कहलक ऊ ज्ञानी आदमीसब यिशुके फेला पारेलाके बाद कथी कइलक ?
    - ओकुनीसब वहांके पूजा कइलक ।
    - ओकुनीसब वहांके उपहार भि चढाइलक ।
3. ज्ञानी आदमीसब यिशुके आराधाना करेलाके कामसे परमेश्वर ना निमन भेगेल ?
    - ना ।
4. ज्ञानी आदमीसब यिशुके आराधना करेला के मे परमेश्वर काहे ना निमन ना भेल ?
    - काहेकि यिशु परमेश्वर बारन ।
5. स्वर्गदूत यिशुके कउन देशमे लेजावो कहलक ?
    - मिश्रमे ।
6. राजा हेरोदके यिशुके मारेके परी कहके ऊ विचार कउन रखदेलक ?
    - शैतान ।

7. शैतान काहे यिशुके मारेके चाही ?
    - काहेकि शैतान यिशुके आदमीसबके पापके शक्तिसे बचावेलाके ना चाहनी ।
    - काहेकि शैतान यिशुके आदमीसबके मृत्युके शक्तिसे बचाएला ना चाहनी ।
    - काहेकि शैतान यिशुके आदमीसबके शैतानके शक्तिसे बचाएवालके ना चाहनी ।
8. पिता परमेश्वर काहे यिशुके रक्षा कइलक ?
    - काहेकि पिता परमेश्वर यिशुके हमनीके पापके शक्तिसे बचावेलाके भेजदेलक ।
    - काहेकि पिता परमेश्वर यिशुके हमनीके मृत्युके शक्तिसे बचावेलाके भेजदेलक ।
    - काहेकि पिता परमेश्वर यिशुके हमनीके शैतानके शक्तिसे बचावेलाके भेजदेलक ।

- काहेकि परमेश्वर यिशुके रक्षा कइल त यिशु बालकसे लक्का जवान भेगेल ।

आवलजावो लुका २:४० पद पढलजाइ ।

लइका अइसे हि बढत बरिया हो अउर बुद्धिसे भरगेल । आ परमेश्वरके आषिश उनका पर रहे ।

1. का यिशु कहियो पाप कइलक ?
    - ना ।
    - यिशु परमेश्वर दिएवाला सब आज्ञा सब पालन कइलक आ कहियो पाप ना कइलक ।

2. यिशु काहे परमेश्वर दिएवाला सब आज्ञा पालन कइलक आ पाप ना कइलक ?
    - काहेकि यिशु पापमे ना जनमल रहे ।

3. यिशु काहे पापमे ना जनमल रहे ?
    - काहेकि यिशु मानव पिताके बिजसे ना जमलरहे ।
    - काहेकि यिशु मानव माताके बिजसे ना जनमल रहे ।
    - काहेकि यिशु हे परमेश्वर रहे ।
    - काहेकि यिशु आदम आ हब्वाके बाललकके रुपमे जनमल ना रहे त यिशु पापमे जनमल ना रहे ।

- काहेकि यिशु आदम आ हब्वाके बालकके रुपमे जनमल ना रहे त यिशु परमेश्वरसे अलग भेलाके ना जनमल रहे ।
- यिशु परमेश्वर दिएवाला हर आज्ञा सिद्ध रुपसे पालन कइल ।
- यिशुके मनमे गलत विचार कहियो ना आइल ।
- यिशुके मुखसे गलत बिचार कहियो ना निस्कल ।
- यिशु कहियो गलत बात ना कइल ।

4. का यिशु के अलाबा अउरो कउन पापरहित रहे ?
   - ना ।
   - अउरो सब आदमीसब पापमे जनमल रहे ।
   - यिशु बालक रहे समयके एक कथा पढलजाइ ।

आवलजावो लुका २:४१ पद पढलजाइ ।

हरेक साल युसुफ आ मरियम यरुसेलमे जायल करत रहे ।

- हर वरष यिशुके माइबाप युसुफ आ मरियम जेरुसलेममे परमेश्वरके चाड मनावेके जाएला ।
- जब यिशु १२ वरष रहे त युसुफ आ मरियम वहांके जेरुसलेममे लेकर गइल ।

आवलजावो लुका २:४२ पद पढलजाइ ।

जब यिशु मसिह १२ वरषके भइलक त ऊ परमे रितिके अनुसार यरुसलमे गइलन जब ऊ उह दिनके पुरा कइलके घरु लौटत रहलन ऊ लइका यिशु यरुसलेममे रह गइलन ।

- जब चाडके भोज खतम भेगेल त युसुफ आ मरियम नासरत वापिस चलल ।
- लेकिन जब युसुफ आ मरियम वापस आइलरहे त ऊ अपन साथमे यिशुके फेला ना पारलक ।

आवलजावो लुका २:४३-४४ पद पढलजाइ ।

यि बात उनकर बाप महतारी ना जानत रहलक । ऊ लोग सोचत रहे कि ऊ कही भीड मे होइ तो दिभर ठहर गइलक । तब उनकराके अपना कुटुम्बी लोग आ जानपहिचाके लोगमे खोजे लागलो ।

5. युसुफ आ मरियम काहे यिशुके फेला पारेके ना सकिहन ?
    - काहेकि बहुत यहुदीसब चाड मनाइलहे त राहमे वापिस आएवाला आदमीसब रहे ।
    - काहेकि रास्तामे बहुत लुटेरासब रहे त आदमीसब एगो समुहमे चलतरहे ।
    - काहेकि वहां बहुत आदमीसब रहे त युसुफ आ मरियम यिशुके देखेके ना सकलक ।
    - काहेकि वहां बहुत आदमीसब रहे त युसुफ आ मरियम ए ठानलक कि यिशु भि उही भिडमे रहेला ।

6. जब युसुफ आ मरियम यिशु अपनसंगे ना रहे कहके जानलक त ओकुनीसब कथी करलक ?

आवलजावो लुका २:४५ पद पढलजाइ ।

पर जब ना मिलन त खोजते खोजते वे यरुसलेमके लउट गइललो

- युसुफ आ मरियम यिशुके ढुँढेके खारित जेरुसलेम वापि गइल ।

7. यसुफ आ मरियम यिशुके कहां फेला पारलक ?

आवलजावो लुक २:४६-४७ पद पढलजाइ ।

तीन दिनके बाद ऊ लोग यिशुके यरुसेलममे परमेश्वरके मन्दिरमे बैठत परमेश्वरके शिक्षा सुनत आ उनकरा लोगनसे सवाल करत पाउलन अउर जेतना लोग उनका बात सुनत रहे ऊ सब उनका समझ अउर उनका जवाफसे चिकित रहे ।

- युसुफ आ मरियम यिशुके जरुसलमेके मन्दिरमे मिलल ।

8. जब युसुफ आ मरियम यिशुके मन्दिमरे मिलल त वहां कथी करत रनी ?
    - यिशु शिक्षकसबसे परमेश्वरके वचन सुनकर ओकुनीसबके प्रश्न पुछतरनी ।
    - यिशु शीक्षकसबके परमेश्वरके वचन सिकावत भि रनी ।

9. वहां सिर्फ १२ सालके रहे त वहांके कइसन परमेश्वरके वचनके बारेमे थाहा भइल ?
    - काहेकि यिशु हि परमेश्वर बारन ।
    - मन्दिरके शिक्षकसब यिशु परमेश्वरके बहुत वचन जानेला पर छक्क परल ।
    - ओकुनीसबके यिशु परमेश्वरके मन्दिरमे बा कहके थाहा नइखे ।

10. जब ओकुनीसब यिशुके मन्दिरमे मिलल तब मरियम यिशुके कथी कहलन ?

आवलजावो २:४८ पद पढलजाइ ।

तब ऊ लोग उनकराके देखते चकित भइल अउर उनकर महतारी हुनकरासे कहली हे तु हमसे काहे अइसन व्यवहार कइलह देख तहोर बाप अउर हम बहुत चिन्तासे खोजतरनी ह । आज हमनीके अदभुत बात देखजनिह जा ।

11. यिशु कथी जवाफ देलक ?

आवलजावो लुका २:४९ पद पढलजाइ ।

यिशु ऊ लोगसे कहलन कि तोलोग हमराके कहे खोजताजन का ना जनत रहल जा कि हमराके अपने बापक घरमे होखल जरूरी बा ?

12. जब मरियम यिशुके पुछलक त वहांके जवाफ कथी रहे ?

- का अपनेसबके हम अपन पिताके घरमे रहेके परी कहके थाहा नइखे कहलन ?

13. यिशुके यी जवाफके मतलब कथी ह ?

- यिशुके यी जवाफके मतलब परमेश्वर पिता जथी कहलन त वहां वही करलन ह ।
- यिशु १२ सालके सिर्फ रहे लेकिन वहां पिता परमेश्वरके चिनलक ।
- यिशु पिता परमेश्वर कहे सब बात सब करलक ।
- यिशुके सब विचारसब सिद्ध बारन ।
- यिशुके सब भनाइसब सिद्ध बारन ।
- यिशुके सब कामसब सिद्ध बारन ।

14. यिशु कहेवाला बात का युसुफ आ मरियम बुझगेल ?

आवलजावो लुका २:५० पद पढलजाइ ।

बांकी जउन बात ऊ व लोगसे कहलन ऊ लोग ओकराके ना समझनल ।

- लेकिन युसुफ आ मरियम यिशु कहेवाला बात ना बुझलक ।
- यिशु पिता परमेश्वरके बात करतरनी कहके युसुफ आ मरियम ना बुझलक ।
- जब ओकुनीसब युसुफ मरियम आ यिशु नासरत वापिस आइलक ।

आवलजावो लुका २:५१-५२ पद पढलजाइ ।
तब ऊ वो लोगके साथ हे गइलन । अउर नासरथमे अइलन अउर व लोगके वशमे रहेलन अउर हुनकर महतारी यि सब बात अपना मनमे रखली । यशु बुद्धि अउर डिलडालमे अउर परमेश्वरके दया अउर आदमी लोगके दयामे बढतगइलन ।

15. यिशु जब बढलरहे त का वहां युसुफ आ मरियमके आज्ञा पुरा पालन कइल ?
    - हां ।

16. यद्यपि यिशु अउरो बालक जइसने रहे त यिशु कइसन फरक भेल ?

- यिशु परमेश्वर बारन ।
- यिशु पुरा मानव आ पुरा परमेश्वर बारन ।
- यिशु ज्ञानी आदमी भइरके बढगेल ।
- परमेश्वर बहुत साल पहिल नवीसबसंगे करेला प्रतिज्ञाजइसन यिशुसंगे बडा बुद्धि रहे ।
- परमेश्वर बहुत साल पहिले अगमवक्तासबसंगे प्रतिज्ञा कइल जइसन यिशु पवित्र आत्मासे पूर्ण रहेला ।
- परमेश्वर वहांके प्रतिज्ञा कहियो भङ्ग ना करेला ।
- परमेश्वर जहियो वहांके प्रतिज्ञा कायम रहेला ।